आईसीआईसीआई फ्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस और एस.के. फाइनेंस की साझेदारी, ग्राहकों को मिलेगी आसान क्रेडिट लाइफ बीमा सुरक्षा

जयपुर। भारत की अग्रणी नॉन-बैंकिंग फिनेंशिअल कंपनियों (एनबीएफसी) में से एक, एस.के. फाइनेंस लिमिटेड ने आज आईसीआईसीआई फ्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के माध्यम से एस.के. फाइनेंस के ग्राहकों को समूह क्रेडिट प्रोटेक्शन बीमा समाधान उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उन्हें आवश्यक वित्तीय सुरक्षा प्राप्त होगी।

ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में मजबूत उपस्थिति रखने वाली एस.के. फाइनेंस अपने 9.3 लाख से अधिक ग्राहकों को ग्राहक-केंद्रित क्रेडिट लाइफ बीमा समाधान प्रदान करेगी, ताकि किसी अनहोनी की स्थिति में उनके परिवार पर आर्थिक बोझ ना पड़े।

यह साझेदारी सरल एवं सहज ऋण बीमा उपलब्ध कराकर बेहतर वित्तीय संरक्षण सुनिश्चित करेगी और ज़िम्मेदारी से ऋण लेने की सोच को बढ़ावा देगी, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ बीमा की पहुँच अभी भी सीमित है। क्रेडिट लाइफ बीमा ग्राहकों को जोखिम प्रबंधन में सक्षम बनाते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि किसी अप्रत्याशित परिस्थिति में परिवार की वित्तीय योजना प्रभावित ना हो।

इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, आईसीआईसीआई फ्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के चीफ ऑफ डिस्ट्रीब्यूशन ङ्क क्रेडिट लाइफ एवं प्रोटेक्शन, श्री उपेंद्र प्रभु ने कहा- ÷देश की एक अग्रणी एनबीएफसी, एस.के. फाइनेंस के साथ साझेदारी करते हुए हमें खुशी हो रही है। बीमा की पहुँच बढ़ाने और 'इंश्योरेंस फॉर ऑल' के लक्ष्य को प्राप्त करने में वितरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह सहयोग जीवन बीमा की पहुँच बढ़ाने और ग्राहकों की दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा आवश्यकताओं को समर्थन देने की हमारी कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

दोनों संगठनों की नींव ग्राहक-केंद्रित मूल्यों पर आधारित है और हम ग्राहकों को अधिकतम फायदा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विशेष रूप से, क्रेडिट लाइफ उत्पाद यह सुनिश्चित करता है कि किसी अप्रत्याशित घटना की स्थिति में ग्राहक अपने परिवार के लिए ऋण का बोझ नहीं, बल्कि एक संपत्ति छोड़कर जाए।

रणनीतिक साझेदारी पर एस.के. फाइनेंस लिमिटेड के Whole Time Director, श्री यश सेतिया ने कहा हमारा उद्देश्य केवल ऋण प्रदान करना नहीं है। हम अपने ग्राहकों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना चाहते हैं और उन्हें वित्तीय व्यवधान एवं ऋण देनदारियों से अपने परिवारों की सुरक्षा करने में सक्षम बनाना चाहते हैं। इस दिशा में यह साझेदारी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। आईसीआईसीआई फ्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के साथ यह संधि, हमारे बीमा प्रभाग 'एसके बीमा' के तहत ग्राहकों को बेहतर सुरक्षा समाधान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मनुष्य भव ही धर्म आराधना करने का उत्तम अवसर है -जिनेंद्र मुनिजी म.सा

जिनेंद्र मुनि जी महाराज सा.आदि ठाणा 5 का नगर में हुआ मंगल प्रवेश

महिदपुर। जवाहर डोसी पीयूष महिदपुर रोड में पूज्य आचार्य भगवंत उमेश मुनि जी महाराज साहब के सुशिष्य बुद्ध पुत्र पूज्य प्रवर्तक श्री जिनेंद्र मुनि जी महाराज साहब आदि ठाणा 5 का मंगल प्रवेश शुक्रवार सुबह 8-30 बजे हुआ।तत्पश्चात समता भवन में पूज्य मुनि राजश्री ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि परमात्मा की कृपा से हमें उत्तम जाति, उत्तम कुल,उत्तम धर्म और उत्तम योनि प्राप्त हुई है। वीतराग परमात्मा का श्रेष्ठ शासन हमें प्राप्त हुआ है।

हमें मनुष्य जीवन में धर्म के मर्म को समझकर इस मनुष्य जीवन को सामायिक, प्रतिक्रमण,स्वाध्याय जप तप साधना आराधना के द्वारा सफल बनाना चाहिए। धर्म के प्रभाव से ही धन की प्राप्ति होती है। मार्गानुसरिया के 35 बोल का अनुसरण करने वाला जीव दुर्गति में नहीं जाता है। मनुष्य भव धर्म आराधना करने का उत्तम अवसर है।जिस प्रकार हम संसार में कितनी भी कमाई यानी पैसा कमा लें,हमें संतुष्टि नहीं आती है।लेकिन हम धर्म करने के मामले में थोड़ा सा धर्म करने पर ही संतुष्ट हो जाते हैं। ऐसा क्यों? मुनि श्री ने कहा कि मनुष्य भव मूल पूंजी के समान है जिसे हमें धर्म के माध्यम से सदैव बढ़ाने के लिए तत्पर रहना चाहिए।84 लाख जीव योनियों में परिभ्रमण करने के बाद हमें अतिदुर्लभ मनुष्य भव प्राप्त हुआ है।पूर्वाचार्य ने कहा है कि श्रद्धा सांची आवे भव तीजे मोक्ष सिधावे,श्रद्धा रहित नहीं जीव भमे गति चौउमाई अर्थात परमात्मा के प्रति सच्ची श्रद्धा भाव रखने से संभवतःतीसरे भव में मोक्ष की प्राप्ति होती है और जो श्रद्धा नहीं रखते हैं वह 84 लाख योनियों के चक्कर में परिभ्रमण करते रहते हैं।इस अवसर पर महिदपुर,रतलाम आदि श्रीसंघ ने उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।प्रवचन प्रभावना एवं साधार्मिक भक्ति का लाभ कांठेड़ परिवार महिदपुर रोड ने लिया।पूज्य गुरुदेव यहां से विहार कर महिदपुर नगर में अपना होली चातुर्मास संपन्न करेंगे।उक्त जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी सचिन भंडारी ने दी।

जिला कार्यकारिणी में महिदपुर ब्लाक से पत्रकार साथियों की नियुक्ति पर हर्ष

महिदपुर।जवाहर डोसी पीयूष मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की उज्जैन जिला कार्यकारणी में मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांतीय अध्यक्ष शलभ भदौरिया के निर्देशानुसार आपके नेतृत्व में गठित जिला इकाई की प्रदेश महासचिव सत्यनारायण वैष्णव के विधिवत घोषणा की जिसमें जिला अध्यक्ष राहुल कटारिया ने महिदपुर ब्लाक से सदस्य पत्रकार साथियों को जिला कार्यकारिणी में जिला उपाध्यक्ष - नरेश शर्मा (महिदपुर रोड़) जिला सचिव - संजय राय (झारड़ा) संयुक्त सचिव -दिनेश वर्मा (घोंसला) कार्यकारिणी सदस्य - मोहनलाल हेड़ा (जगोटी) कमल बोहरा (खेड़ा खजूरिया) को नियुक्त किया है।उक्त नियुक्ति पर वरिष्ठ पत्रकार जवाहर डोसी पीयूष,अरुण बुरड़, अर्जुनसिंह ठाकुर, मांगीलाल कुमावत,अनंत शर्मा, कन्हैयालाल सूर्यवंशी, आशुतोष छजलानी, रामेश्वर मालवीय,लोकेश सूर्यवंशी, इमरान अली, कुशालसिंह ठाकुर,जितेन्द्र जैन,राज कछवाय,राहुल पोरवाल, पारस चौरड़िया, जितेश उथरा, राहुल सोलंकी, जितेंद्रसिंह राजपूत, कपिल वर्मा,संदीप वर्मा,राहुल कुमावत,विनोद कारपेंटर, अनवर मंसूरी, अब्दुल मजीद मंसूरी, रणछोडलाल मालवीय आदि सभी पत्रकार साथियों ने हर्ष व्यक्त किया तथा जिला अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त किया।

रेसिंग के सफर में संगीत का साथ: टीवीएस अपाचे ने पेश किया 'द अपाचे डीएनए' एंथम

बेंगलुरु। टीवीएस अपाचे ने एग्ज़ॉस्ट नोट को संगीत की लय में बदलते हुए, आज अपना पहला आधिकारिक एंथम – 'द अपाचे डीएनए' लॉन्च किया, जो ब्रांड की विरासत के 20 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। भारत के मशहूर रैपर और गीतकार ब्रोधा वी ने इस एंथम को ग्राहकों और विशेष तौर पर भारत तथा दुनिया भर की नई पीढ़ी में जोश भरने के लिए तैयार किया है।

6 भाषाओं - इंग्लिश, हिंदी, मराठी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में लॉन्च किया गया यह एंथम टीवीएस अपाचे जैसे बेहतरीन रेसिंग और परफॉर्मेंस मोटरसाइकिलिंग ब्रांड के लिए उल्लेखनीय सांस्कृतिक पल को रेखांकित करता है।

संगीत मोटरसाइकिल चलाने वालों के लिए प्रेरणा का ज़बरदस्त स्रोत है, और टीवीएस अपाचे अपने प्रदर्शन आधारित स्टाइल के ज़रिए उसी ऊर्जा को दिखाता है। टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल, निडर जोश और रेसिंग की विरासत को अपनाते हुए, 60+ देशों में 65 लाख से अधिक राइडरों के लिए प्रदर्शन, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष की पहचान बन गई है। यह एंथम इस जोश को और बढ़ाता है, और खुद को रेस ट्रैक पर और उसके बाहर आत्मविश्वास और बेजोड़ ऊर्जा की शानदार अभिव्यक्ति के रूप में पेश करता है।

टीवीएस मोटर कंपनी के प्रीमियम खंड के व्यवसाय प्रमुख, श्री विमल सुंबली ने इस पहले टीवीएस अपाचे एंथम पर अपनी टिप्पणी में कहा, ÷टीवीएस अपाचे पिछले 20 साल से, हमारे रेसिंग डीएनए की जीती-जागती पहचान रही है, यह एक ऐसा नज़रिया और विरासत है, जिसने दुनिया भर के 65 लाख राइडरों को सशक्त बनाया है। 'द अपाचे डीएनए' एंथम हर उस राइडर के प्रति हमारे सम्मान का प्रतीक है जो टीवीएस अपाचे की सोच को अपनाता है। हम रेसिंग से जुड़ी टेक्नोलॉजी का लोकतांत्रिकरण कर रहे हैं, ऐसे में हम टीवीएस अपाचे की मौजूदगी को संगीत और युवाओं की संस्कृति से भी जोड़ रहे हैं, ताकि उन समुदायों के साथ गहरे तरीके से जुड़ा जा सके जो हर दिन इस ब्रांड को जीते और महसूस करते हैं।

'द अपाचे डीएनए' का गीत, टीवीएस अपाचे के मुख्य सिद्धांतों- स्पीड, प्रेसिज़न और नियंत्रण को अभिव्यक्त करता है । टीवीएस अपाचे इस एंथम के लॉन्च के साथ, अपनी रेसिंग विरासत को मोटरसाइकिल से परे ले जा रही है, राइडरों के साथ भावनात्मक संबंध मज़बूत कर रही है और संगीत की इस शैली और समुदाय में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। ब्रांड, परफॉर्मेंस मोटरसाइकिलिंग की सीमाओं नई ऊंचाई दे रहा है और इसी में झलकती है आत्मविश्वास, प्रामाणिकता और अनस्टॉपेबल राइडिंग के जज़्बे के प्रति टीवीएस अपाचे की प्रतिबद्धता। यह एक ऐसी दमदार अभिव्यक्ति है जो अगली पीढ़ी के राइडरों के साथ सीधे जुड़ती है।

इंडोनेशिया के मध्य जावा स्थित विश्वविख्यात प्रम्बानन मंदिर में महाशिवरात्रि की धूम

(राजू बोहरा) इंडोनेशिया के मध्य जावा स्थित विश्वविख्यात प्रम्बानन मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि का पावन पर्व गहन श्रद्धा, सौंदर्य और अंतरराष्ट्रीय सहभागिता के साथ संपन्न हुआ। शताब्दियों बाद इस प्राचीन शिवालय के प्रांगण में ऐसा व्यापक और भावपूर्ण आयोजन हुआ, जिसने इतिहास और वर्तमान को एक ही आलोक में जोड़ दिया।

नौवीं शताब्दी (लगभग 850 ईस्वी) में मातरम (संजय) वंश के पराक्रमी शासक राजा रकाई पिकातन के काल में आरंभ हुआ यह भव्य मंदिर दक्षिण-पूर्व एशिया का सबसे विशाल हिंदू मंदिर परिसर माना जाता है। त्रिमूर्ति; ब्रह्मा, विष्णु और शिव, को समर्पित इस परिसर का केंद्रीय शिव मंदिर लगभग 47 मीटर ऊँचा है, जो जावानी स्थापत्य की उत्कर्ष अभिव्यक्ति है। ऊर्ध्वमुखी शिखर, सूक्ष्म नक्काशी और रामायण के विस्तृत उत्कीर्ण दृश्य इसकी सांस्कृतिक गहराई के साक्ष्य हैं।

लगभग 240 मंदिरों वाले इस समूह को 1991 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर का दर्जा दिया। 2006 के भूकंप में क्षति के बाद हुए संरक्षण-पुनरुद्धार कार्य ने इंडोनेशिया की विरासत-निष्ठा को भी रेखांकित किया। सन 27 मई 2006 को आए 6.3 तीव्रता के भूकंप में लगभग 5,700 से अधिक लोगों की मृत्यु, 37,000 से अधिक लोग घायल तथा लगभग 6 लाख लोग बेघर हो गए। इस आपदा से प्रम्बानन मंदिर परिसर को भी गंभीर संरचनात्मक क्षति पहुँची, जिसके कारण इसे अस्थायी रूप से बंद कर संरक्षण और पुनरुद्धार कार्य किया गया।

इंडोनेशिया के पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक मंत्रालयों तथा इंडोनेशिया हिंदू परिषद के सहयोग से संपन्न सम्मेलन का आरंभ राष्ट्रगीत और वैदिक प्रार्थना से हुआ। जावा के कलाकारों की पारंपरिक नृत्य प्रस्तुति के बाद विभिन्न देशों से आए विद्वानों ने शिव-तत्त्व, अद्वैत चेतना और वैश्विक सद्भाव पर अपने विचार रखे। भारत की ओर से अमेरिका स्थित विद्वान डॉ. इंद्रजीत शर्मा ने विशेष व्याख्यान दिया। पंडित तिलक राज शर्मा स्मृति न्यास, संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से 'विश्व शांति पुरस्कार' भी प्रदान किया गया।

इंडोनेशिया के पर्यटन उपमंत्री नी लु एनिक एरमावती, संस्कृति उपमंत्री गिरिंग गणेश जुमारियो, जनसंख्या एवं परिवार विकास उपमंत्री रतु आयु इस्याना बागुस ओका तथा धार्मिक मंत्रालय के निदेशक डॉ. इ नेनगा दुइजा सहित कई गणमान्य जन सम्मानित हुए। इंडोनेशिया में भारत के राजदूत श्री संदीप चक्रवर्ती ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई।

संस्कारों की विरासत को नमन समाज के वरिष्ठ युगलों का अभिनंदन 1 मार्च को

रतलाम।जवाहर डोसी पीयूष जिस समाज की जड़ें अपने वरिष्ठजनों के अनुभव,त्याग और संस्कारों से सींची जाती हैं,वह समाज सदैव प्रगति के पथ पर अग्रसर रहता है।इन्हीं भावनाओं को आत्मसात करते हुए अग्रवाल सेवा समिति रतलाम द्वारा समाज के वरिष्ठ युगलों के सम्मान में एक भावपूर्ण अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समिति ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 1 मार्च, रविवार को दोपहर 2 बजे से अग्रसेन वाटिका,रतलाम में समाज के 60 से अधिक वरिष्ठ युगलों का सार्वजनिक सम्मान एवं अभिनंदन किया जाएगा।यह आयोजन केवल सम्मान का कार्यक्रम नहीं,बल्कि पीढ़ियों के बीच संस्कारों के सेतु को सुदृढ़ करने का एक विनम्र प्रयास है। इस गरिमामयी अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती नीता सुरेशचंद्रजी अग्रवाल (अध्यक्ष,अग्रवाल महासभा महिला मंडल) एवं श्री महेश अग्रवाल (अध्यक्ष,अग्रसेन सोशल ग्रुप) की विशेष उपस्थिति रहेगी। समिति का मानना है कि हमारे वरिष्ठजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं।उनके जीवन संघर्ष,पारिवारिक मूल्यों के प्रति समर्पण और समाज के प्रति योगदान हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं।उनका सम्मान करना, वास्तव में हमारी संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करना है।

सेवा ही समिति का मूल मंत्र। अग्रवाल सेवा समिति रतलाम वर्ष भर निःस्वार्थ भाव से समाज की सेवा में सक्रिय रहती है। समिति द्वारा–

आवश्यकता पड़ने पर रक्त की त्वरित व्यवस्था,

मरीजों के लिए मेडिकल उपकरण उपलब्ध कराना,

दुःख की घड़ी में शव पेटी की व्यवस्था एवं अंतिम संस्कार की संपूर्ण व्यवस्था जैसे सेवा कार्य सतत रूप से किए जाते हैं। समिति का उद्देश्य है कि समाज का कोई भी परिवार आवश्यकता की घड़ी में स्वयं को अकेला महसूस न करे। वरिष्ठ युगलों के सम्मान का यह अनूठा आयोजन समिति द्वारा पहली बार किया जा रहा है जो समाज में आपसी आत्मीयता, एकता और संस्कारों के संरक्षण का संदेश देगा। समिति ने समाजजनों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने वरिष्ठजनों का आशीर्वाद प्राप्त करें तथा इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाएं।

आनन्द कुमार 'आनन्दम' को के. बी. राइटर्स कलमकार सम्मान 2025 के लिए चयन किया गया

विश्व रिकॉर्ड धारक 'के बी राइटर्स अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक मंच' द्वारा आनन्द कुमार 'आनन्दम' को 'के0 बी0 राइटर्स कलमकार सम्मान 2025' के लिए चयनित किया गया है।

वर्ष 2025 के दौरान साहित्य के संवर्धन, उत्थान और समाज को अपनी लेखनी से नई दिशा देने हेतु आनन्दम् द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए निर्णायक मंडल ने चयन किया है। ज्ञात हो कि इस सम्मान हेतु देशभर से सैकड़ों आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमे से केवल 51 श्रेष्ठ रचनाकारों की सूची में आनन्दम् ने अपना स्थान बनाया है।

वार्ड संख्या- 02, ग्राम- कुशहर, डाकघर- कुशहर, थाना- तरियानी, जिला- शिवहर- 843329 (बिहार) निवासी माता- मीरा मिश्रा, पिता- चन्द्र किशोर मिश्रा सुपुत्र आनन्द कुमार 'आनन्दम' की दो बड़ी बहनें कुमारी अनुराधा, कृष्णा कुमारी और एक छोटा भाई आशुतोष कुमार है।

वार्ड 12 में विभिन्न स्थानों पर बनेगी पीवीसी पाईप नाली

आष्टा। एक कदम नगर विकास की ओर अग्रसर करते हुए आज वार्ड क्रमांक 12 में पीवीसी पाईप लाईन निर्माण कार्य का भूमिपूजन नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, वार्ड पार्षद अनिता भट्ट, पूर्व हिउस अध्यक्ष कालू भट्ट द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि वार्ड के नागौरी कम्पाउंड, श्रीत्रीय गली, गणेश मार्केट सहित विभिन्न स्थानों पर पीवीसी पाईप लाईन का निर्माण कार्य लगभग 8 लाख रूपये की लागत से पूर्ण होगा।

नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा एवं वार्ड पार्षद अनिता भट्ट ने किया भूमिपूजन

श्री मेवाड़ा ने कहा कि प्रगति गली क्षैत्र नगर का प्रमुख क्षैत्र है, यहां साइकिल, स्टेशनरी, मेडिकल सहित आभूषणों की मुख्य दुकाने है जहां नगर सहित ग्रामीणजनों का बड़ी संख्या में आवागमन लगा रहता है।

वर्षो पुरानी नालियां होने के कारण नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इन सभी समस्याओं को दूर करने के लिए परिषद ने इस क्षैत्र में पीवीसी पाईप लाईन डालकर नाली निर्माण करने का निर्णय लिया जिसका आज भूमिपूजन हुआ है और शीघ्र ही कार्य पूर्ण हो जाएगा। पीवीसी पाईप लाईन नाली निर्माण होने से नागरिकों को समस्याओं का सामना नही करना पड़ेगा। श्री मेवाड़ा ने वार्डवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि परिषद नगर के सर्वांगिण विकास के लिए कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है।

चाहे धार्मिक स्थान हो या शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं हर प्रकार से नागरिकों को लाभान्वित किया जा रहा है। इस अवसर पर सत्यनारायण कामरिया, पार्षद प्रतिनिधि सुभाष नामदेव, संतोष राठौर, उंदल मोटवानी, आकाश राठौर, बोनी प्रगति, दीनानाथ परमार आदि मौजूद थे।

जैन दर्शन भाव प्रधान है – मुनिश्री संस्कार सागर

अष्टांहिका महापर्व पर नंदीश्वर द्वीप महामंडल विधान में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

आष्टा। नगर के प्रसिद्ध श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन दिव्योदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र किला मंदिर में अष्टांहिका महापर्व के पावन अवसर पर आयोजित श्री नंदीश्वर द्वीप महामंडल विधान के दौरान वातावरण भक्तिमय हो उठा। मंदिर परिसर में धर्ममय आभा के बीच विराजमान पूज्य वात्सल्य रत्नाकर, भारत गौरव, विद्या वाचस्पति श्रमण मुनिश्री संस्कार सागर मुनिराज ने अपने मंगल प्रवचनों में जैन दर्शन की मूल आत्मा को भावप्रधान बताते हुए श्रद्धालुओं को अंतर्मुखी साधना का संदेश दिया।

मुनिश्री ने कहा कि अष्टांहिका महापर्व आत्मशुद्धि और विशुद्धि का महापर्व है। इस काल में की गई पूजा-अर्चना, विधान और आराधना यदि शुद्ध भावों के साथ की जाए तो वह अनंत पुण्य का कारण बनती है। उन्होंने बताया कि नंदीश्वर द्वीप में 52 जिनालय और 5616 चिन्ह विद्यमान हैं। ढाई द्वीप में स्थित अकृत्रिम चैत्यालयों तक मनुष्य की पहुँच संभव है, किंतु यदि कोई श्रद्धालु यहां बैठकर भी भावपूर्वक उन चैत्यालयों को नमस्कार करता है तो उसे नंदीश्वर द्वीप के दर्शन के समान पुण्य की प्राप्ति होती है।

बिना भाव के धर्म क्रिया निष्फल–मुनिश्री संस्कार सागर ने स्पष्ट कहा कि जैन दर्शन केवल क्रियाओं का नहीं, बल्कि भावों की पवित्रता का दर्शन है। यदि पूजा, जप, तप या विधान के समय मन कहीं और भटक रहा है तो वह पुण्य का कारण नहीं बनता। ÷जहाँ ज्ञान नहीं, वहाँ उपयोग नहीं करना चाहिए,÷ कहते हुए उन्होंने श्रद्धालुओं को अपने परिणामों को शुद्ध बनाने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि मनुष्य मंदिर में आकर भी यदि फालतू चर्चाओं और सांसारिक बातों में उपयोग लगाता है तो वह पुण्य की बजाय पाप का आश्रव कर लेता है। केवल जैन कुल में जन्म लेना पर्याप्त नहीं, बल्कि अपने भावों और आचरण को धर्ममय बनाना आवश्यक है।

मान-सम्मान की अपेक्षा त्यागें–मुनिश्री ने समाज को संदेश देते हुए कहा कि धर्म और समाज सेवा के क्षेत्र में मान-सम्मान की अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए। अभिमान नहीं, बल्कि अपने जैन कुल पर गौरव करना चाहिए। धन, पद और प्रतिष्ठा क्षणभंगुर हैं,किंतु भावों की निर्मलता शाश्वत फल प्रदान करती है।उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपने समय और उपयोग का सदुपयोग करना चाहिए। जिस प्रकार गृहस्थ अपने कार्यों में एकाग्रता रखते हैं, उसी प्रकार एकांत में बैठकर मंदिर या घर में भावपूर्वक आराधना करें। अच्छे भावों को निर्मल बनाने के लिए पुरुषार्थ आवश्यक है।

समाज में एकता और शुद्ध भावों की आवश्यकता–मुनिश्री ने वर्तमान समय में समाज और साधु-संतों के विभिन्न पंथों में विभाजन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि धर्म का सार विभाजन नहीं, बल्कि आत्मकल्याण है। यदि मंदिर और गुरु के समक्ष भी अशुद्ध भाव रखे जाएँ तो धर्म क्रिया भी कर्मबंधन का कारण बन सकती है।उन्होंने अंत में कहा कि शाश्वत पर्वों के इस पावन काल में भाव सहित धर्म आराधना करें, अपने परिणामों को निर्मल बनाएं और जीवन को सार्थक दिशा दें।अष्टांहिका महापर्व के अंतर्गत चल रहे इस महामंडल विधान में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर नंदीश्वर द्वीप की भावपूर्ण आराधना कर रहे हैं। मंदिर परिसर में भक्ति, श्रद्धा और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। धर्म सभा में वात्सल्य रत्नाकर मुनिश्री विश्वसूर्य सागर मुनिराज एवं मुनिश्री साध्य सागर मुनिराज एवं क्षुल्लक विनयनंदी भी उपस्थित थे।